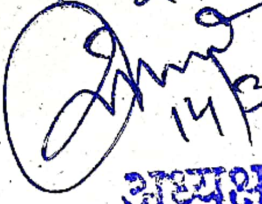
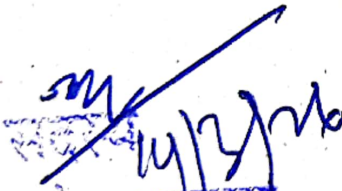


पत्रावली बाब राष्ट्रीय लोक अदालत में पेश हुई। चूंकि इस प्रार्थना पत्र का मूल वाद राष्ट्रीय लोक अदालत में लोक अदालत की भावना से जरूरी विज्ञो खारिज हो चुका है तो अब इस प्रार्थना पत्र को चलाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। प्रार्थना पत्र लोक अदालत की भावना से खारिज किया जाता है। पत्रावली कैसल शुभारंभ होकर संबर से कम होकर मूल पत्रावली के साथ नहीं हो।


14/3/26

अध्यक्ष

राष्ट्रीय लोक अदालत
जोधपुर महानगर


राष्ट्रीय लोक अदालत
जोधपुर महानगर